रमल ज्योतिष से जानें धन लाभ योग

डॉ. नरेन्द्र कुमार भैया

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में बिना कुंडली के भविष्यवाणी की जाती है। इसमें किसी प्रकार की जन्मकुंडली की आवश्यकता नहीं होती। इसमें सिर्फ प्रश्नकर्ता के हाथ में पासे, जिसे अरबी भाषा में 'कुरा' कहते हैं, होते हैं। पासे हमेशा शुद्ध स्थान पर ही डलवाए जाते हैं। इन पासों से प्राप्त शकलें यानी कि आकृतियों के मुताबिक जो शकल आती है, उससे रमल शास्त्र में प्रश्नकर्ता का नाम, माता–पिता का नाम, वार, दिन, तिथि और तो और पंचांग की भी आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल प्रश्नकर्ता को रमल शास्त्र के विद्वान के समक्ष प्रस्तुत होना होता है। किसी वजह से प्रश्नकर्ता रमल शास्त्र के विद्वान के समक्ष उपस्थित नहीं हो पा रहा हो तो प्रश्नकर्ता को प्रश्न फार्म के माध्यम से भी धन से संबधित अथवा अन्य किसी सवाल के जवाब में फलादेश समाधान से किया जा सकता है।

धन लाभ कब और कैसे हो, रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में यह सवाल द्वितीय घर का होता है, जबकि इस शास्त्र में 16 घर होते हैं। यह सभी घर जीवन की भूत, भविष्य और वर्तमान की समस्त बातों से संबध रखते हैं। प्रश्नकर्ता इस विचार से प्रश्न करें कि उसे या अमुक व्यक्ति को धन लाभ और इससे संबंधित शांति कब और कैसे प्राप्त होगी। यदि प्रस्तार यानी कि जायचे के द्वितीय घर में शुभ हो, साथ ही नजर–ए–मिकरना हो तो उसे धन लाभ होगा और धन से संबंधित प्राप्ति भी अतिशीघ्र होगी। लेकिन यदि शकल साबित हो तो कुछ विलंब और परेशानी विशेष के बाद धन की संप्राप्ति हो जाती है। यदि शकल अतवे खारिज, कब्जुल खारिज प्रथम घर में हो तो यह बताता है कि प्रश्नकर्ता का भाग्य का भाग्य कमजोर स्थिति में है, जिसके कारण धन के लाभ का योग नहीं बनता। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में अंकिश शकल , जो कि शनि ग्रह की शकल है और एक बिंदु वाली शकल है तो यह योग भाग्यहीनता के कारण निर्बल बना रहेगा और आने वाले समय में भी यही स्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही नजर–ए–मिकरना और नजर–ए–तरारीक हो तो दफीना यानी कि खजाना (गड़ा धन) अवश्य प्राप्त होता है फलस्वरूप इसमें स्वर्ण मुद्राएं या स्वर्ण के आभूषण आदि की प्राप्ति होती है। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में महान अशुभ शकलें हों और उन महान अशुभ शकलों की दृष्टि हो तो जातक जीवनभर दरिद्रता का शिकार रहेगा। यहां तक कि वह दाने–दाने के लिए भी मोहताज हो सकता है और कोई व्यक्ति उसकी मदद के लिए भी तैयार भी नहीं होता।

Courtesy Dainik Bhaskar, Bhopal